साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** | संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 32 — गोंदिया : गुरुवार, 18 से 24 मार्च 2021 — पृष्ठ : 4 — मूल्य : रु. 5

आजादी के ७० साल बाद भी

बाघ नदी पर नहीं बनें पुल

सालेकसा तहसील के सैकड़ों गांवो का मुसीबतों का सफर जारी

गोंदिया – सालेकसा तहसील की जीवनदायिनी बाघ नदी के अनेक घाटों पर पूल नहीं होने के कारण नागरिकों को नदी के पानी में से रास्ता ढूंढते हुए मुसीबतों का सफर करना पड़ रहा है। आजादी के ७० साल बाद भी तहसील की यह स्थिति होने के कारण जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नागरिकों में गुस्सा पनप रहा है। भजेपार-धानोली, भजेपार-सालेकसा व भजेपार-बोरकन्हार मार्ग पर तत्काल पूल निर्माण करने की मांग नागरिकों ने कि है। गौरतलब है कि, पिछले अनेक वर्षो से सालेकसा तहसील के भजेपार, धानोली, बोदलबोड़ी, माताटोला, नदिटोला, साकरीटोला, सलांगटोला, अंजोरा, कन्हारटोला, पानगांव, दरबड़ा, घों सी, दागोटोला, चर्जेटोला, गांधिटोला, बापुटोला आदि अनेक गावों के नागरिक बाघ नदी के नदीटोला व धाणोली घाट पर पूल बनाने की मांग कर रहे हैं। भजेपार-बोरकन्हार मार्ग के नाले का पुलिया भी कई वर्षों से जीर्ण होने के बावजूद यहां से जानलेवा सफर करना पड़ता है। जिससे नागरिक त्रस्त हो गए हैं। इन सभी मार्गों पर तत्काल पुल निर्माण करने की मांग नागरिकों द्वारा की गई है। मांगो की ओर अनदेखी की गई तो भविष्य में लोकसभा, विधानसभा चुनाव प्रक्रिया पर बहिष्कार करने की चेतावनी भी दी गई है।

श्रमदान से बनाया गया रपटा

सालेकसा तहसील के भजेपार ग्रामवासियों ने गतवर्ष बाघ नदी के धानोली घाट पर श्रमदान के माध्यम से कच्चा पूल रपटा बनाया था। जो बारिश के दिनों में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुआ हैं, जिससे वहां से आवागमन फिलहाल बंद है। ग्रीष्मकाल में धान के लिए सिंचाई के लिए पानी छोड़ने पर बाघ नदी में जलस्तर बढ़ जाएगा, जिससे पानी में से रास्ता ढूंढते हुए जाना नागरिकों के लिए मुसीबत बन सकता है।

प्रयास जारी हैं

बाघ नदी पर पूल नहीं होने से नागरिकों को निश्चित ही समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उनकी समस्याएं यथासंभव सुलझाने का प्रयास जारी है। जल्द ही नागरिकों को खुशखबरी मिलेगी। क्षेत्र के विकास के लिए हम कटिबद्ध हैं।

– **सहषराम कोरोटे**, विधायक आमगांव- देवरी विधानसभा क्षेत्र

२ किमी के लिए २० किमी का सफर

बाघ नदी पर पुलिया नहीं होने के कारण २ किमी दूरी पर जो गांव है वहां जाने के लिए भी नागरिकों को २० किमी का अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। जिससे उन्हें शारीरिक, मानसिक व आर्थिक परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। आजादी के ७० साल के बाद भी नदी के पानी में से रास्ता ढूंढ कर सफर करने की नौबत होने के कारण यह कैसा विकास? इस तरह का सवाल उपस्थित होने लगा है।

प्रतिबंधित सुगंधित तंबाखु गोदाम पर छापा

१ लाख ५२ हजार का माल जप्त

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले चंद्रशेखर वार्ड श्रीनगर परिसर में गुप्त जानकारी के आधार पर छापामार कार्रवाई करते हुए २३५ किलो प्रतिबंधित सुगंधित तंबाखु जिसकी कीमत १ लाख ५२ हजार है, लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा छापामार कार्रवाई कर जप्त की गई।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे द्वारा जिले में मादक पदार्थों, सुगंधित तंबाखु की बिक्री पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। उसी के अनुसार १३ मार्च की शाम लोकल क्राइम ब्रांच निजी वाहन से गस्त लगा रहा था कि उन्हें गुप्त जानकारी प्राप्त हुई कि गोंदिया शहर के श्रीनगर शराब दुकान के पास में एक मकान में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित सुगंधित तंबाखु बिक्री के लिए रखी गई है। जिस पर छापामार कार्रवाई किए जाने पर २३५ किलो सुगंधित तंबाखु जप्त की गई। जिसमें रिमझिम तंबाखु के ७२ पैकेट कीमत ३९६००, आर.के. तंबाखु के २०० ग्राम के ४०० पैकेट कीमत ४००००, भाग्यश्री तंबाखु के ५० ग्राम के १४०० पैकेट कीमत ६१६००, एम.डी. तंबाखु २०० ग्राम के १६ पैकेट कीमत १६ सो रुपए, जाफरानी, के. पी. ब्लैक लेबल, पानबाग, जनम, पी-४ ऐसे विभिन्न ब्रांड के सुगंधित पैकेट कीमत ३०००, इस प्रकार १ लाख ५२ हजार ४० रुपए कीमत का माल जप्त किया गया।

उपरोक्त माल पंचशील चौक निवासी लखन रमेशलाल नागदेव द्वारा श्रीनगर निवासी मुकेश तिघारे का मकान किराए पर लेकर गोदाम के रुप में उपयोग कर रहा था। उपरोक्त छापामार कार्रवाई में जप्त किए गए सभी सुगंधित तंबाखु अन्न व औषधि प्रशासन के सुपुर्द किया गया तथा आरोपी लखन रमेशलाल नागदेव के खिलाफ अन्न औषधि विभाग द्वारा कार्यवाही शुरु है। उपरोक्त कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में लोकल क्राइम ब्रांच के निरीक्षक बबन आव्हाड, उप निरीक्षक तेजेंद्र मेश्राम, अभयसिंह शिंदे, सहायक फौजदार गोपाल कापगते, चंद्रकांत करपे, पोना तुलसीदास लूटे, महेश मेहर, रेखलाल गौतम, मपोशि गेडाम, चापोसी मुरली पांडे, पंकज खरवडे द्वारा की गई।

बोदलकसा-मंगेझरी-खाडीपार मार्ग की स्थिति बदहाल

मार्ग का उखड़ा डामर, जगह-जगह हुए गड्ढे

संवाददाता तिरोड़ा – नक्षलग्रस्त आदिवासी बहुल जंगल परिसर के रुप में पहचाना जाने वाला बोदलकसा- मंगेझरी- खाड़ीपार के मुख्य मार्ग की स्थिति बदहाल हो चुकी है। मार्ग का डामर जगह-जगह से उखड़ चुका है व बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं। फिर भी इस और जनप्रतिनिधियों व प्रशासन द्वारा अनदेखी की जा रही है। गौरतलब है कि जिले के संरक्षित वन क्षेत्र से लगे ग्रामों के मुख्य मार्गों की स्थिति बदहाल हो चुकी है। इसी के अंतर्गत बोदलकसा, मंगेझरी, खाडीपार का मुख्य मार्ग अनेक वर्षों से बदहाल स्थिति में पहुंच चुका है। मार्ग का डामर उखड़ने से गिट्टी फैल गई व जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। विशेष यह है कि उपरोक्त मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन भी होता है। जिससे स्थिति और भी दयनीय हो चुकी हैं। गोरेगांव तिरोड़ा गोरेगांव के लिए यह मार्ग काफी सरल व समीप है, किंतु मार्ग पर बड़े टिप्पर प्रतिदिन चलने से मार्ग की स्थिति और भी बदहाल हो चुकी हैं। गत वर्ष भर में अनेक दुर्घटनाएं इस मार्ग पर हो चुकी है। उपरोक्त मार्ग तिरोड़ा सार्वजनिक बांधकाम विभाग के अंतर्गत आता है, लेकिन विभाग इस ओर अनदेखी कर रहा है।

जनप्रतिनिधियों व प्रशासकीय अधिकारियों के आवागमन का मार्ग

तिरोड़ा के अदानी प्रकल्प में कुरहाडी, खड़ीपार, तिमेझरी, आसलपानी, पाथरी, मंगेझरी, कोटेबर्रा, गोरेगांव, कटंगी, हीरापुर, रामाटोला, मलपुरी आदि अनेक गांव के युवक कार्य के लिए जाते हैं। इस मार्ग से लगा हुआ ही नागझिरा व्याघ्र प्रकल्प बोदलकसा में पर्यटन विभाग का निवास स्थान, तालाब व जंगल हैं, जिससे पर्यटकों का भी आवागमन लगा रहता है। साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व प्रशासकीय अधिकारी भी इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। लेकिन उनके द्वारा भी अनदेखी की जा रही है। मार्ग की बदहाल स्थिति के चलते वाहनों का चलना भी दूभर हो गया है। उपरोक्त मार्ग का डामरीकरण जल्द से जल्द शुरु किया जाए ऐसी मांग परिसर के नागरिकों द्वारा की गई है।

प्रतिबंधित तंबाखु विक्रेताओं पर कोटपा कानून २००३ के तहत कार्रवाई

गोंदिया जिले में प्रतिबंधित सुगंधित तंबाखु की बिक्री बढ़ रही है। तंबाखु जन्य पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों को देखते हुए डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्रामों में तंबाखु विक्रेताओं पर कोटपा कानून २००३ के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग व पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वधान में कार्रवाई की गई। कोटपा कानून २००३ के तहत कलम ४ के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र में तंबाखु व तंबाखु जन्य पदार्थों के सेवन पर बंदी, कलम ५ के अनुसार तंबाखु पदार्थों के प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष विज्ञापन पर बंदी, कलम ६ (अ) के अनुसार शैक्षणिक संस्थाओं के परिसर में बिक्री पर पाबंदी, कलम ७ के अनुसार तंबाखु जन्य पदार्थों के पैकेट पर चेतावनी देना आवश्यक है। सार्वजनिक स्थानों जैसे रेलवे स्टेशन, चिकित्सालय, स्कूल, महाविद्यालय, बस स्थानक, शासकीय-अशासकीय कार्यालय आदि स्थानों तथा स्कूलों व चिकित्सालयो के १०० मीटर के परिसर में तंबाखु व तंबाखु जन्य पदार्थ जैसे खर्रा, गुटखा, पान मसाला बिक्री करते पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएंगी। उपरोकत अभियान कलम ४, ५ व ६ के अंतर्गत २० पानटपरियो पर छापामार कार्रवाई की गई, व ७ लोगों पर दंडात्मक कार्रवाई की गई। उपरोक्त कार्रवाई जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे के मार्गदर्शन में जिला मौखिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल आटे, मनोवैज्ञानिक सुरेखा मेश्राम, सामाजिक कार्यकर्ता संध्या शंभरकर, तारकेश उके, विवेकानंद कोरे तथा पुलिस निरीक्षक डुग्गीपार के सहयोग से घनश्याम ऊईके, नेमराज कुरसुगें द्वारा की गई।

ग्रामीण गृह निर्माण अभियंता पंकज चौहान ४ हजार की रिश्वत लेते एसीबी के जाल में

गोंदिया - आमगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम खुर्सीपार टोला निवासी फरियादी के प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम सुधारने व आवास योजना की किस्त देने के नाम पर पंचायत समिति आमगांव में कार्यरत ग्रामीण गृह निर्माण अभियंता पंकज श्रीराम चौहान द्वारा ५ हजार रुपए रिश्वत की मांग की गई थी। लेकिन फरियादी द्वारा रिश्वत न देने की मंशा को लेकर इसकी शिकायत गोंदिया एंटी करप्शन ब्यूरो में की। जिसके पश्चात १७ मार्च को एसीबी द्वारा आरोपी को ४ हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पंचायत समिति कार्यालय आमगांव में पंचों के समक्ष रंगे हाथों धर दबोचा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी के नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना का मकान मंजूर हुआ था। लेकिन सूची में उसके स्थान पर उसके पुत्र का नाम आ जाने से सूची को दुरुस्त कराने व आवास योजना के निर्माण के लिए पहली किस्त जमा करने के लिए फरियादी आरोपी अभियंता से मिला था तथा सूची को सुधारित करने तथा पहली किस्त जमा करने की मांग की थी। जिस पर आरोपी द्वारा ५ हजार रुपए की मांग की थी। इसके कुछ दिनों के बाद जब अभियंता आवास योजना के सर्वे के लिए फरियादी के ग्राम खुर्सीपार टोला गया था तो दूसरी किस्त के बारे में पूछे जाने पर आरोपी अभियंता ने कहा कि तुमने अब तक ५ हजार रुपए नहीं दिए। जिस पर फरियादी द्वारा कुछ पैसे कुछ कम बात कही गई तथा इसकी शिकायत एसीबी में की गई।

उपरोक्त कार्रवाई के पश्चात आरोपी के खिलाफ आमगांव पुलिस थाने में भ्रष्टाचार प्रतिबंधक अधिनियम १९८८ की धारा ७ सुधारित अधिनियम २०१८ के तहत मामला दर्ज किया गया। उपरोक्त कार्रवाई एसीबी के पुलिस अधीक्षक रश्मि नांदेडकर, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश दुदलवार, मिलिंद तोतरे के मार्गदर्शन में गोंदिया के उप अधीक्षक रमाकांत कोकाटे, सफो विजय खोबरागड़े, पोहवा राजेश सेंद्रे, नापोसी रंजीत बिसेन, नितिन राहंगडाले व सभी एसीबी कर्मचारियों द्वारा की गई ।

राजनीतिक कार्यक्रमों में कोरोना संक्रमण नहीं, व्यापारी व आम जनता के लिए ही बढ़ रहा कोरोना – पार्षद यादव

गोंदिया – देश व राज्य के साथ-साथ गोंदिया जिले में भी कोरोना के संक्रमण बढ़ने के मामले शासकीय आंकड़ों में सामने आ रहे हैं। लेकिन देखने में आया है कि राजनीतिक कार्यक्रमों में कोरोना संक्रमण नहीं फैल रहा, बल्कि व्यापारियों व आम जनता से कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है। जिसके लिए उनको ही नियमों का पालन करना अनिवार्य है। ऐसा आरोप पार्षद लोकेश कल्लू यादव ने लगाया है।

गौरतलब है कि देश, राज्य व जिले में फिर से कोरोना संक्रमण बढ़ता दिखाई दे रहा है। लेकिन अब तक देखने में आया है कि कोरोना का संक्रमण सिर्फ व्यापारियों व आम जनता के लिए ही बढ़ रहा है। व्यापारियों व आम जनता पर ही कोरोना संबंधित नियम थोपे जाते हैं। जबकि राजनीतिक व अन्य सामाजिक कार्यक्रमों में भीड़ होने के बावजूद कोरोना संक्रमण नहीं बढ़ता। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां पर लाखों की संख्या में भीड़ जमा हो रही है। लेकिन अब तक उन क्षेत्रों से संक्रमण बढ़ने की खबर नहीं आ रही। गत दिनों जिले में ग्राम पंचायत चुनाव के दौरान भी इसका असर दिखाई नहीं दिया। फिलहाल राज्य में जिला परिषद व पंचायत समिति के चुनाव आगे बढ़ जाने से अब फिर से कोरोना बढ़ने लगा है। यदि जिला परिषद व पंचायत समिति के चुनाव घोषित हो जाते तो शायद जिले व राज्य में कोरोना की स्थिति भयानक नहीं होती। इस पर संदेह निर्माण हो रहा है।

देश में गत वर्ष लॉकडाउन व विभिन्न नियमों के चलते पूरा व्यापार चौपट होने के साथ ही, आम जनता की आर्थिक स्थिति, छोटे व्यापारियों की आर्थिक स्थिति चरमरा गई है। लेकिन राज्य और केंद्र सरकार द्वारा अब तक इस ओर कोई विशेष उपाय नहीं किए गए हैं। जिस पर जल्द से जल्द समाधान कारक हल निकाल कर मध्यम वर्गीय व्यापारियों की हो रही खराब स्थिति को संभालने का कार्य सरकार करें ऐसी मांग पार्षद लोकेश यादव द्वारा की गई है।

अति दुर्गम क्षेत्र दरेकसा में कोरोना टिकाकरण की शुरुआत

रवि सोनवाने – सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाले अतिदुर्गम क्षेत्र दरेकसा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी कोरोना टीकाकरण की शुरुआत हो गई है। जिसे सालेकसा तहसील के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित खोडनकर के हस्ते मुरकुडोह के दूर क्षेत्र नक्सल विरोधी सशस्त्र जवानों को कोरोना का टीका देकर शुरुआत की गई। इसके साथ ही ६० वर्ष से अधिक व ४५ से ४९ व आयु वर्ग के १०० नागरिकों को टीका दिया गया है। उपरोक्त टीकाकरण प्रतिदिन शुरु है। इस अवसर पर वैद्यकीय अधिकारी डॉ. रमेश गवली, डॉ. शीतल प्रसाद महेशकर, डॉ. अंजली पांडे, डॉ. प्रभाकर डोंगरवार, दवाई निर्माण अधिकारी गणेश दलाल, स्वास्थ्य सेविका राज्यश्री भोडे, राखी प्रसाद, अनीता गोडसेलवार, स्वास्थ्य सेवक दीपेश चौहान, विष्णु डहारे, बाबूलाल ऊके व कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले में २७ मार्च तक धारा ३७ लागू

गोंदिया जिले में १३ से २७ मार्च २०२१ तक की इकालावधि के दौरान विभिन्न पक्ष व संघटना द्वारा अपनी प्रलंबित मांगो संबंधित अनशन, धरना, मोर्चा, रास्ता रोको, जेल भरो आंदोलन तथा हड़ताल को प्रतिबंधित किया गया है। कोरोना संक्रमण के बढ़ते असर को देखते हुए जिले के सभी शासकीय चिकित्सालय, सीसीसी, डीसीएचसी, डीसीएच व निजी कोविड-१९ चिकित्सालय में कोरोना संक्रमण मरीजों की संख्या बढ़ रही है। साथ ही स्थानीय बाजार परिसर में लोगों की भीड़ बढ़ने के कारण किसी भी प्रकार की अनुचित घटना न घटे इसके लिए जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए १९५१ मुंबई पुलिस अधिनियम की धारा ३७, १३ प्रतिबंधक आदेश १३ से २७ मार्च २०२१ तक लागू किया गया है। उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ फौजदारी नियम के अंतर्गत उचित कार्रवाई की जाएगी। इस प्रकार का आदेश अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी गोंदिया द्वारा जारी किया गया है।

संपादकिय

भोजन का अपमान

यह सूचना किसी दुख से कम नहीं कि हमारी दुनिया में १७ प्रतिशत भोजन घरों, रेस्तरां और दुकानों में बर्बाद चला जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की फूड वेस्ट इंडेक्स रिपोर्ट २०२१ से पता चलता है कि कुछ भोजन खेतों पर ही, तो कुछ आपूर्ति के दौरान और एक बड़ा हिस्सा तैयार होने के बाद बर्बाद हो जाता है। कुल मिलाकर, एक तिहाई भोजन खाए जाने से रह जाता है। भोजन बर्बादी के ये आंकड़े बहुत मेहनत से जुटाए गए हैं, जिनका विश्लेषण हमें चौंकाता है और रुलाता भी है। संयुक्त राष्ट्र की एक कार्यकारी निदेशक इंगर एंडरसन कहती हैं कि अगर हम जलवायु परिवर्तन, प्रकृति, जैव विविधता के नुकसान और प्रदूषण, कचरे से निपटने के बारे में गंभीर होना चाहते हैं, तो दुनिया भर के व्यवसायों, सरकारों और नागरिकों को भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए काम करना पड़ेगा। न्न-भोजन की बर्बादी ज्यादातर देशों में समस्याओं को जन्म दे रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी देशों में इस बर्बादी का स्तर आश्चर्यजनक रुप से समान है। न विकसित देशों के लोग आदर्श हैं और न गरीब देशों के लोग। भोजन की बर्बादी कोई ऐसा विषय नहीं है, जिसके बारे में किसी देश में लोग जानते न हों। परंपरागत रुप से दुनिया की ज्यादातर संस्कृतियों और समाजों में भोजन की बर्बादी रोकने के लिए लोगों को पाबंद किया गया है, लेकिन तब भी लोग सुधर नहीं रहे, कम से कम यह रिपोर्ट तो यही गवाही दे रही है।

रिपोर्ट के विस्तार में जाएं, तो खुदरा दुकानों पर दो प्रतिशत, खाद्य सेवाओं के स्तर पर पांच प्रतिशत और रसोईघर में पहुंचने के बाद ११ प्रतिशत भोजन बेकार जाता है। मतलब सबसे ज्यादा सुधार की जरुरत हमारे रसोईघरों और थालियों में है। रिपोर्ट यह भी इशारा करती है कि भोजन की ऐसी बर्बादी से जलवायु परिवर्तन को भी बल मिलता है। वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का आठ से दस प्रतिशत भोजन की बर्बादी से जुड़ा है। बेशक, भोजन की बर्बादी कम करने से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कटौती होगी। भूमि रुपांतरण और प्रदूषण के माध्यम से होने वाला प्रकृति का विनाश धीमा होगा। भोजन की उपलब्धता बढ़ेगी और इस तरह वैश्विक मंदी के समय भूख की समस्या घटेगी। साथ ही, पैसों की भी बचत होगी। दुनिया का सचेत होना इसलिए बहुत जरुरी है, क्योंकि २०१९ में करीब ६९ करोड़ लोग भूख से प्रभावित थे और तीन अरब लोग स्वस्थ आहार का खर्च उठाने में अक्षम थे। यह स्वागतयोग्य है कि संयुक्त राष्ट्र के एक लक्ष्य में भोजन की बर्बादी को आधा करना भी शामिल है। इस मोर्चे पर भारत जैसे विशाल देश में तो विशेष पहल की जरुरत है। आम भारतीय घरों में एक-एक सदस्य साल भर में ५० किलो खाना बर्बाद कर देता है, जबकि भारत में एक बड़ी आबादी भूखे रहने को मजबूर है। यह देखना ज्यादा जरुरी है कि बर्बादी रोकने के लिए क्या और कितना किया जा रहा है? सामाजिक स्तर पर अपील के अलावा भोजन की बर्बादी रोकने के लिए कोई पुख्ता प्रबंध नहीं है। हां, भारत यह संतोष व्यक्त कर सकता है कि भोजन बर्बाद करने में अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, मालदीव और बांग्लादेश की तुलना में वह बेहतर है। लेकिन जिस देश में अन्न-भोजन की पूजा होती हो, उसे देश में यथोचित सुधार के लिए नए संकल्प की जरुरत पड़ेगी।

महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग की परीक्षा २१ मार्च को

परीक्षा केंद्र परिसर में धारा १४४ लागू

महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग के माध्यम से राज्य सेवा पूर्व परीक्षा २०२० आगामी २१ मार्च २०२१ को दो सत्रों में सुबह १० से १२ व दोपहर ३ से ५ तक आयोजित की गई है। जिसके लिए एसएस गर्ल्स कॉलेज विठ्ठल नगर, मनोहर म्युनिसिपल हाईस्कूल व जूनियर कॉलेज इंदिरा गांधी स्टेडियम के पास, गोंदिया पब्लिक स्कूल डीबीएन सदन, विद्या विहार, पांगोली रोड, गोंदिया, बी.एन. आदर्श सिंधी विद्या मंदिर व हाईस्कूल मुरी रोड गोंदिया, गुजराती नेशनल हाईस्कूल रेल टोली, राजस्थान कन्या विद्यालय व ज्यूनियर कॉलेज ऑफ आर्ट्स कृष्णपुरा वार्ड के सेंटर में आयोजित होंगी। परीक्षा केंद्र परिसर में प्रवेश करते समय ५ से अधिक व्यक्ति एक साथ जमा नहीं हो सकते तथा प्रवेश नहीं कर सकते। इस समय किसी भी प्रकार की घोषणा नहीं की जा सकती। परीक्षा केंद्र परिसर में विद्यार्थी अथवा अन्य व्यक्ति द्वारा शांति व कानून व्यवस्था में बाधा निर्माण ना हो ऐसा किसी भी प्रकार का कार्य न किया जाए। परीक्षा केंद्र से २०० मीटर परिसर में झेरॉक्स, फैक्स, पानटपरी, टाइपिंग सेंटर, एसटीडी बूथ, पेजर व ध्वनिपेक्षक इत्यादि माध्यम को आदेश की समयावधि समाप्त होने तक बंद रखा जाए। परीक्षा केंद्र परिसर में मोबाइल, सेल्यूलर फोन, फैक्स, ईमेल, लैपटॉप, कंप्यूटर व अन्य प्रसार के माध्यम पर प्रतिबंध किया गया है। परीक्षा को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो इसके लिए किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं की जा सकती परीक्षा केंद्र में कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति, वाहन के प्रवेश पर बंदी रहेंगी। परीक्षा के दरमियान किसी भी प्रकार की शांति व्यवस्था व कानून का उल्लंघन ना हो इसके लिए फौजदारी संहिता १९७३ की धारा १४४ प्रतिबंधक आदेश लागू किया गया है। उपरोक्त आदेश २१ मार्च २०२१ की सुबह ९ से शाम ६ बजे तक जारी रहेगा। उपरोक्त आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, इस प्रकार का आदेश जिला दंडाधिकारी दीपककुमार मीणा द्वारा जारी किया गया है।

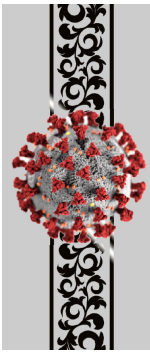

जिसमें चिता की राख है उस घट को देखो,
फिर खुद के भीतर बचपने की हठ को देखो,
क्या मिलेगा मौत से पंजा लड़ाकर,
जहाँ ढेर लाशों के लगे है उस मरघट को देखो।
देखो उजाले को निगलती रात देखो,
देखो गगन से जोर की बरसात देखो,
देखो खंडरों पर छल कपट की घात देखो,
देखो उजड़ते शहरों के तुम हालात देखो,
क्या मिलेगा मौत से पंजा लड़ाकर,
देखो बिखरती जिंदगी के पात देखो।
– निकेतन

राष्ट्रीय लोक अदालत १० अप्रैल को

३० मार्च तक आवेदन आमंत्रित

गोंदिया जिला विधि सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय गोंदिया के संयुक्त तत्वाधान में जिला न्यायालय, कामगार न्यायालय तथा जिले के तहसील विधि सेवा समिति के मार्फत सभी तहसील न्यायालय में १० अप्रैल २०२१ को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। जिसमें न्यायालय में दाखिल करने के पहले के प्रकरण तथा न्यायालय में दाखिल प्रकरण में आपसी समझौते के लिए पात्र फौजदारी प्रकरण, एन.आय. एक्ट कलम १३८, बैंक रिकवरी प्रकरण, वैवाहिक, पारिवारिक विवाद के प्रकरण, कामगारों के प्रकरण, भूसंपादन के प्रकरण, दीवानी प्रकरण जैसे किराया, बैंक वसूली प्राधिकरण कर्ज वसूली प्रकरण, विद्युत व पानी बिलों की चोरी प्रकरण छोड़कर इत्यादि तथा सभी प्रकार के आपसी समझौते के प्रकरण तथा दाखिल के पूर्व रखने वाले प्रकरण तथा आपसी तालमेल से मिटाने के लिए न्यायधीश वकील व सामाजिक कार्यकर्ताओं का पैनल मदद करेगा। जिन पक्षकारों ने अपने दाखिल प्रकरण लोक अदालत में आपसी समझौते के लिए रखना है, वह संबंधित न्यायालय में ३० मार्च २०२१ तक अपने आवेदन पेश करें तथा दाखल पूर्व प्रकरण, सभी बैंक संबंधित अथवा अर्जदार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय गोंदिया यहां पर अथवा तहसील विधि सेवा समिति में ३० मार्च तक अर्ज पेश करें। सभी संबंधित पक्षकार जिन्होंने प्रकरण लोक अदालत में तत्काल निर्णय हो सके। इस स्वर्ण संधि का लाभ लें, ऐसा आवाहन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा प्रमुख जिला व सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधि सेवा प्राधिकरण के सचिव ने की है।

विद्यार्थियों के जाति वैधता प्रमाणपत्र तैयार

गोंदिया जिला जाति प्रमाणपत्र जांच समिति कार्यालय में १२वीं विज्ञान शाखा विद्यार्थी, पालक, मुख्याध्यापक के माध्यम से दिसंबर २०२० तक आवेदन पेश किए गए थे। ऐसे विद्यार्थियों तथा १५ फरवरी २०२१ तक जिन विद्यार्थियों ने व्यवसायिक अभ्यासक्रम व सेवा संबंधित प्रस्ताव पेश किए थे, ऐसे विद्यार्थियों के जांच वैधता प्रमाणपत्र तैयार हो चुके हैं। जिन्हें उनकी ईमेल आईडी पर जाति वैधता प्रमाणपत्र पीडीएफ द्वारा भेजे गए हैं। विद्यार्थी जाति वैधता प्रमाणपत्र का योग्य प्रिंट निकाल कर जांच कर लें। जिन विद्यार्थियों को अब तक जाति प्रमाणपत्र ईमेल द्वारा प्राप्त नहीं हुआ है, ऐसे विद्यार्थीयों के आवेदन में खामियां है, ऐसे विद्यार्थी अपने मुल दस्तावेजों के साथ कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। २०२०-२०२१ के लिए जो विद्यार्थी कक्षा बारहवीं विज्ञान शाखा में शिक्षा ले रहे हैं तथा व्यवसायिक अभ्यासक्रम के लिए पात्र हुए हैं वे विद्यार्थी ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन जिला जाति प्रमाणपत्र समिति के समक्ष पेश नहीं किया है, ऐसे विद्यार्थी पालक महाविद्यालय द्वारा जिला, जिले के बाहर, राज्य के बाहर उनके लिए एक विशेष अवसर ३१ मार्च २०२१ तक रखा गया है। जिसमें वे अपने आवेदन पेश करें, ऐसा आव्हान उपायुक्त तथा जिला जाति प्रमाणपत्र समिति के सदस्य देवसुदन धारगावे द्वारा किया गया है।

सर्वश्रेष्ठ ८ प्राणायाम

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

कपालभाति प्राणायाम

कपाल अर्थात मस्तिष्क और भाति का अर्थ होता है दीप्ती, आभा, तेज, प्रकाश आदि। प्राणायाम के करने से मस्तिष्क माथे पर आभा तेज बढ़ता हो वह प्राणायाम है।

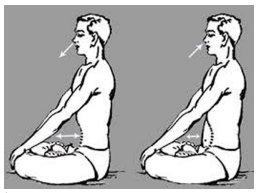

विधि –

कपालभाति प्राणायाम में मात्र रेचक पर ही पूरा ध्यान दिया जाता है। पूरक के लिए प्रयत्न नहीं किया जाता है। अपितु सहज रुप से जितना श्वास अंदर चला जाता है जाने देते हैं, पूरी एकाग्रता श्वास को बाहर छोड़ने में होती है। ऐसा करते हुए स्वाभाविक रुप से उदर में भी आकुचन और प्रसारण की क्रिया होती है। एक सेकंड में एक बार श्वास को लय के साथ छोड़ना एवं सहज रुप से धारण करना चाहिए। इस प्रकार क्रिया बिना रुके १ मिनट में ६० बार तथा ५ मिनट में ३०० बार कपालभाति प्राणायाम होता है।

कपालभाति प्राणायाम की एक आवृत्ति ५ मिनट की अवश्य होनी चाहिए। स्वस्थ एवं सामान्य रोगों से ग्रस्त व्यक्ति को कपालभाति १५ मिनट तक करना चाहिए। १५ मिनट में ३ आवृत्तियों में ९०० बार यह प्राणायाम हो जाता है। कैंसर, एड्स, मधुमेह, डिप्रेशन आदि असाध्य रोगों में प्रात: व शाम दोनों समय आधा-आधा घंटा करने से शीघ्र लाभ होता है।

सावधानी –

पेट की शल्यक्रिया (ऑपरेशन) के लगभग ३ से ६ महीने के बाद ही इसका अभ्यास करें। गर्भावस्था, अल्सर, आंतरिक रक्तस्त्राव एवं मासिक धर्म की अवस्था में इस प्राणायाम का अभ्यास न करें। १२० श्वास प्रति मिनट की गति से जब इसका अभ्यास किया जाता है, तब सिंपैथेटिक नर्वस सिस्टम क्रियाशील होने से रक्तचाप बंद हो जाता है।

लाभ –

मोटापा, मधुमेह, गैस, कब्ज, अम्ल पेट, गुर्दे तथा प्रोस्टेट से संबंध सभी रोग निश्चित रुप से दूर होते हैं। हृदय की धमनियों में आए हुए अवरोध खुल जाते हैं। डिप्रेशन, भावनात्मक असंतुलन, घबराहट, नकारात्मकता आदि समस्त मनोरोग से छुटकारा मिलता है।

इस प्राणायाम के अभ्यास से आमाशय, अग्नाशय (पेनक्रियाज) लीवर, प्लीहा व आंतों का आरोग्य विशेष रुप से बढ़ता है। जब तक ६९ सांस प्रति मिनट की गति से इसका अभ्यास किया जाता है तब सिंपैथेटिक नर्वस सिस्टम क्रियाशील ना होने के कारण रक्तचाप नहीं बढ़ता। कपालभाति के अभ्यास से एकाग्रता बढ़ती है। मोटे व्यक्तियों में जिन्हें उच्च रक्तचाप या मधुमेह हैं, वे कपालभाति के अभ्यास से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। किंतु उन्हें अपनी रक्त शर्करा मात्रा (ब्लड शुगर लेवल) तथा रक्तचाप की नियमित जांच करवानी होंगी। कपालभाति छात्रों के लिए (विशेष तौर पर धीमे सीखने वाले) तथा कम से कम ४५ मिनट तक एकाग्रता न रख पाने वालों के लिए अति उपयोगी है। समस्त कफ रोग, दमा, श्वास एलर्जी, साइनस आदि रोग नष्ट हो जाते हैं। कब्ज जैसा खतरनाक रोग इस प्राणायाम के नियमित ५ मिनट तक प्रतिदिन करने से मिट जाता है। मधुमेह बिना औषधि के नियंत्रित किया जाता है। एक माह में ४ से ६ किलो तक वजन कम किया जा सकता है। हृदय की धमनियों में आए हुए अवरोध (ब्लॉकेज) खुल जाते हैं। चक्रों का शोधन तथा मूलाधार चक्र से सहस्त्रार चक्र पर्यंत समस्त चक्रों में एक दिव्य शक्ति का संचरण होने लगता है।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । – सम्पादक

संतुलित आहार

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

यह तो हम सभी को ज्ञात ही है कि हमारे जीवन में संतुलित आहार का क्या महत्व है? कोरोना महामारी के कारण संतुलित आहार का महत्व हर किसी को समझ में आ गया है। हमारे शरीर के अंदर की शक्ति को बनाए रखने के लिए हमारे शरीर के लिए संतुलित आहार का चुनाव करना बहुत ही आवश्यक हो गया है।

आज के दौर में हर व्यक्ति अपने शरीर को निरोगी बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। अब मन में एक सवाल आता है कि आखिर संतुलित आहार की जानकारी और पहचान हम किस प्रकार से कर सकते है? आओ आज हम सभी मिलकर के संतुलित आहार और हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हमे क्या करना चाहिए और हमारे लिए क्या आवश्यक है? इस विषय पर चर्चा करके हम यह जानकारी प्राप्त करें कि संतुलित आहार क्या है?

वैसे तो हमारे हर वक्त के भोजन में हर प्रकार के जीवनसत्व (विटामिन) होने चाहिए, पर कई बार आर्थिक परिस्थिती के कारण हम सही मात्रा में संतुलित आहार शरीर को नहीं पहुंचा पाते है। ऐसे समय में हमें सिर्फ दो वक्त के भोजन पर ही निर्भर रहना पड़ता है। ऐसी स्थिति अगर किसी के सामने हो तो उसे बिल्कुल भी नहीं घबराना चाहिए।

कई लोगों को ऐसा लगता है कि सिर्फ मांस, मछली, अंडा और सुखे मेवे (ड्रायफ्रूट) में ही ज्यादा मात्रा में प्रोटीन होते हैं। इस कारण से कई लोगों में यह भ्रांति होती है कि यदि ये पदार्थ अगर हमको नहीं मिलेंगे तो आखिर हमारा शरीर रोगों से मुकाबला कैसे करेगा।

हमको इस प्रकार की सोच से बाहर निकलना चाहिये, क्योंकि ऐसी सोच वाले लोगों को शायद यह जानकारी नहीं है कि हमारे घर में प्रतिदिन बननेवाले भोजन में भी भरपूर मात्रा में जीवनसत्व होते हैं। बस थोड़ी-सी समझदारी से हमें प्रतिदिन बनने वाले भोजन का चुनाव करना है। हमें ऐसे आहार का चुनाव करना है जो हमारे घर में उपलब्ध होते है और जिसमें भरपूर मात्रा में जीवनसत्व उपलब्ध होते हैं।

हमको अपने प्रतिदिन के भोजन में चावल, गेहूं के आटे की रोटी, ज्वार के आटे की रोटी, हरी सब्जियां, तरह-तरह की दालें, उचित मात्रा में मसाला आदि का उपयोग करना चाहिए। हो सके तो अपने बजट और स्वाद के अनुसार भोज्य पदार्थ के साथ कुछ सलाद जैसे- ककड़ी, मूली, गाजर, बीट, प्याज और भी कई प्रकार के सलाद है, उन सभी का उपयोग भोजन के साथ किया जा सकता है।

मन में कभी भी यह विचार लाकर नर्वस नहीं होना चाहिए कि सिर्फ फूट खाने से ही व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है और हमारे पास तो यह उपलब्ध ही नहीं है। हमारे प्रतिदिन के भोजन में ही भरपूर मात्रा में विटामिन है, बस हमको उनकी पहचान करके अपने प्रतिदिन के भोजन में शामिल करना है।

आओ हम सभी मिलकर ऐसे लोगों की मदद करें और उन्हें अज्ञान के इस अंधकार से बाहर निकालकर ज्ञान की रोशनी की ओर ले चलें। उन्हें यह जानकारी जरुर दें और उनका हौसला अवश्य बढ़ाते हुए उनके मन का भ्रम दूर करने का प्रयास करें कि प्रत्येक मौसम में जो भी मौसमी फल, सब्जियां या अन्य पदार्थ होते हैं उन सभी की अपनी-अपनी महत्ता होती है, साथ ही हमारे घर में भरपूर मात्रा में विटामिन से युक्त खाद्य पदार्थ भरे पड़े हैं, उन्हें पहचान करके उनका उपयोग करें...

साप्ताहिक राशिफल

मेष : प्रेम संबंधों को लेकर यह सप्ताह अनुकूल साबित होगा। धन संबंधित मामलों में फिजूल खर्चों को कम करने की कोशिश करेंगे। इस सप्ताह जान-पहचान के लोगों से मिलने के योग बन रहे हैं, जो आगे चलकर नेटवर्किंग करने में मददगार साबित होंगे।

वृष : करियर पर ध्यान देने का समय है। कुछ परिस्थितियों के चलते कार्यक्षेत्र पर आपके प्रयासों में देरी होने की संभावना है। घर पर काम करते समय प्राथमिकता के हिसाब से काम करें। प्रेम संबंधों को यह सप्ताह मिला-जुला रहेगा। अपने साथी से मिलने की इच्छा के चलते बेचैन रह सकते हैं।

मिथुन : कार्यक्षेत्र व पढ़ाई पर आपके द्वारा किए गए प्रयासों से आपके सीनियर्स प्रभावित होंगे। किसी बीमारी में वैकल्पिक मेडिसिन लेना फायदेमंद रहेगा। किसी नए कार्य में शिफ्ट होने की संभावना दिखाई दे रही है। धन संबंधित मामलों के लिए समय अच्छा चल रहा है। आर्थिक स्थिति में सुधार होने की संभावना है।

कर्क : शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छे मौके मिलने की संभावना है। धन संबंधित समस्याएं नहीं होंगी, क्योंकि आप सोझ-समझकर खर्च करेंगे। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है। कार्यक्षेत्र पर मिली किसी सफलता से खुद पर गर्व महसूस होगा।

सिंह : शेयर मार्केट से जुड़े लोग सोच-समझकर पैसा लगाएं। सेहत को लेकर सप्ताह संतोषजनक रहेगा। कार्यक्षेत्र पर जिस चीज की आप उम्मीद कर रहे हैं, उसके बहुत जल्द होने की संभावना है। पढ़ाई को लेकर समय अच्छा चल रहा है। अच्छे प्रदर्शन के चलते सफलता प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कन्या : शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए समय अच्छा चल रहा है। इस सप्ताह आपके साथी के साथ आपकी रिलेशनशिप में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। करियर को लेकर समय कठिन रहेगा। किसी सीनियर की अनिश्चितता के चलते इस सप्ताह आप असमंजस में रह सकते हैं।

तुला : वित्तीय संबंधित मामलों में कोई आपकी मदद करेगा। यदि आप स्वस्थ रहना चाहते हैं तो अपने खाने की आदतों में सुधार करना आपके हित रहेगा। प्रेम संबंधों को लेकर यह सप्ताह संतोषजनक रहेगा। पढ़ाई में आया परिणाम उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा।

वृश्चिक : आप कहीं छुट्टियों पर जाने की योजना बना सकते हैं। घर के नवीनीकरण के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं। किसी अच्छे काम के लिए खर्च किए गए पैसे के अच्छे रिटर्न्स मिलने की संभावना है।

धनु : अगर आप किसी काम को समय पर पूरा करने के लिए आश्वस्त नहीं हैं तो कार्यक्षेत्र पर किसी भी काम को आगे बढ़कर हाथ में न लें। प्रेम संबंधों में एकरसता के चलते बोरियत का अनुभव कर सकते हैं। किसी निजी समस्या को तुरंत सुलझाने की जरुरत है इसलिए जल्दबाजी करने से बचें।

मकर : परिवार में किसी की सफलता पर गर्व महसूस होगा। करियर को लेकर समय अच्छा चल रहा है। कोई छोटी शुरुआत बड़े फायदे में बदल सकती है। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है। विदेश यात्रा पर जाकर नए-नए स्थान घूमने का मौका मिल सकता है।

कुंभ : प्रेम संबंधों के लिए समय थोड़ा मिला-जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र पर सतर्क रहने की जरुरत है, वरना आपके जिद्दी स्वभाव के चलते समस्या हो सकती है। इस सप्ताह अपने प्रति किसी की केयर देखकर आपका मूड अच्छा रहेगा। सामाजिक समारोह में शामिल होने के लिए किसी व्यक्ति पर तारीख में बदलाव करने का दबाव बना सकते हैं।

मीन : इस सप्ताह आपके साथी को स्पेस की जरुरत होगी इसलिए उसकी इस बात का सम्मान करें और उसे थोड़ा स्पेस दें। इस हफ्ते किसी यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। परिवार के किसी समारोह में आकर्षण का केंद्र हो सकते हैं। प्रोफेशनली और पर्सनली यह सप्ताह आपके लिए अच्छा रहेगा। भाग्य का साथ मिलने के चलते हर काम में सफलता मिलेगी।

ग्रीष्म काल में शीतलता प्रदान करने वाला खस उद्योग संकट में

जिले के अर्जुनी मोरगांव तहसील के बोडगांवदेवी मे पीढ़ीयो से चल रहा था व्यवसाय । खस व्यवसाय पर कोरोना की मार

गोंदिया जिले की सड़क अर्जुनी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोडगांवदेवी में ग्रीष्म काल में गर्मी से राहत प्रदान कर शीतलता देनेवाला खस व्यवसाय पिढीयो से चल रहा है। लेकिन अब इस व्यवसाय पर संकट निर्माण हो गया है तथा कोरोना संक्रमण का असर व्यवसाय पर हुआ है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिला तालाबों का जिला होने से तालाबों में खस का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जाता था। जिले के अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले बोडगांवदेवी में खस से बनी ताटी के निर्माण का केंद्र है। जिससे गांव के व परिसर के सैकड़ों परिवारों को रोजगार प्राप्त होता था व उनके सामने आर्थिक संकट निर्माण नहीं होता था। उपरोक्त व्यवसाय मौसमी व्यवसाय होने के साथ ही अनुसूचित जाति के नागरिकों का यह प्रमुख व्यवसाय के रुप में जाना जाता है।

अर्जुनी मोरगांव तहसील के इंटियाडोह बांध डूब क्षेत्र में खस का उत्पादन होता था। जिसके लिए सिंचाई विभाग के माध्यम से खस की नीलामी की जाती थी तथा शासन को राजस्व भी प्राप्त होता था। लेकिन समय के साथ यह नीलामी प्रक्रिया बंद हो जाने से खस उद्योग पर संकट निर्माण हो गया। ईटियाडोह बांध के क्षेत्र में उत्पादन होने वाली खास अत्यंत सुगंधित व शीतल होने से इसका उपयोग कूलर में तथा खिड़की व दरवाजे पर पर्दे के रुप में पूरे भारत में इसकी मांग होती थी तथा इसका बिक्री का मुख्य केंद्र नागपुर था। समय के साथ खस की मांग मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान सहित भारत के अनेक क्षेत्रों में इसकी मांग थी। लेकिन अब जिले में खस निकालने का कार्य बंद हो जाने से बोडगांवदेवी क्षेत्र के खस व्यवसायी अपना पारंपरिक व्यवसाय शुरु रखने के लिए झारखंड

राज्य के झाड़सुगुड़ा परिसर से कच्चा माल लेकर आ रहे हैं। जिसे लाने के पश्चात पानी से साफ से धोने के साथ ही बांबू केन व सुतली की सहायता से कूलर की खस ताटी, दरवाजे व खिड़कियों के पर्दे तैयार कर भारत के विभिन्न राज्यों व शहरों में बिक्री के लिए ले जाते हैं उपरोक्त व्यवसाय से गांव के मजदूरों को बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध हो रहा है। वर्तमान समय में गांव में कूलर ताटी, दरवाजे और खिड़की के पर्दो का निर्माण हो चुका है। जो भारत के विभिन्न राज्यों व शहरों में बिक्री के लिए ट्रकों के माध्यम से भेजा जा रहा है। वर्तमान स्थिति में बुडवुल का जमाना होने के बावजूद वनस्पति से निर्माण होने वाली सुगंधित खास की मांग आज भी है।

बैंकों द्वारा कर्ज देने से इनकार

एक ओर राज्य सरकार व केंद्र सरकार रोजगार निर्माण के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में कला कौशल्य मेलों का आयोजन कर कुटीर उद्योगों व ग्रामीण स्तर के रोजगारों को निर्माण करने पर जोर दे रही है, वहीं दूसरी ओर बोडगांवदेवी परिसर में यह मौसमी व्यवसाय होने पर स्थानीय बैंक व तहसीलस्तर के बैंक द्वारा कर्ज देने के लिए आनाकानी व टालमटोल की जाती है। जिसके चलते खस व्यवसाय को आर्थिक सहायता नहीं मिलने से एक बड़ा स्वरुप नहीं ले पा रहा है।

खास उद्योग पर कोरोना का भी असर

संपूर्ण विश्व के साथ ही भारत में भी कोरोना संक्रमण का असर सभी बड़े उद्योगों पर विपरीत परिणाम हुआ है। गत १ वर्ष में अनेक उद्योग व व्यवसाय संकट में आ चुके हैं। गत वर्ष २४ मार्च २०२० को पूरे देश में लॉकडाउन शुरु हुआ था। जिसके चलते खास उद्योग पर भी भारी विपरीत परिणाम सामने आया। मार्च महीने से ही उद्योग का कार्य शुरु होता है, लेकिन उसी समय लॉकडाउन होने से लाखों रुपए का माल अन्य राज्यों में नहीं जा सका। जिससे माल व्यापारियों के पास ही जमा रहने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इस वर्ष भी भारी जोखिम उठाकर अपने जीवनयापन के प्रश्न को देखते हुए खस व्यवसायियों द्वारा तैयार माल अन्य राज्यों में बिक्री के लिए लेकर गए हैं।

लांजेवर ने बोधगया में श्रमनेर बौद्ध भिक्षु की ली दीक्षा

अनिल मुनीश्वर – सड़क अर्जुनी निवासी अजय संभाजी लांजेवार ने बोधगया में श्रामनेर बौद्ध भिक्षु की दीक्षा ली। वे अपने पिता स्वर्गीय संभाजी लांजेवार की अस्थि विसर्जन के लिए परिवार व मित्र परिवार के साथ बोधगया गए थे। इस समय उन्होंने विश्व प्रसिद्ध महाबोधि बुद्ध विहार व महाबोधि वृक्ष के नीचे बोधु संबोधी थेरा भंतेजी बांग्लादेशी, मंगल भंतेजी महाथेरो इनसे श्रामनेर बौद्ध भिक्षु की दीक्षा ली। जिसके पश्चात बौद्ध परंपरा अनुसार उन्हें धम्मबोधी नाम दिया गया। इसके साथ ही उनके मित्र परिवार के चार अन्य व्यक्तियों ने भी श्रामनेर बौद्ध भिक्षु की दीक्षा ली। जिसमें गुलाबसिंह पाटिल, साहेबराव पंचभाई, दीपक फुलझले, चंद्रकांत गणवीर को भी परंपरा अनुसार नाम दिया गया। जिसमें शिलबोधी, पय्याबोधी, संघबोधी, मेत्ताबोधी ऐसे नाम दिए गए। दीक्षा के समय साक्षी के रुप में प्राध्यापक शेता लांजेवार, डॉ. सुगंधा लांजेवर, धम्मचारी अमोघकुमार, मंगेश बागड़े, सुनील लांजेवार, अनिल लांजेवार, डॉ.अमन लांजेवार, संकल्प लांजेवार, कुणाल लांजेवार, डॉ.विशाल लांजेवार, बबलू सहारे, चेतन ठमके, युवराज अंबुले, रुपाली बिसेन, दिवाकर चूटे, वामन भोयर, अजय सूर्यवंशी, प्रकाश तागड़े, जयेश सहारे, विनोद सोनवाने व अन्य मित्र उपस्थित थे।

नक्सलवादियों का करो निषेध, सी-६० जवानों का करो अभिनंदन

गोंदिया - नक्सलवादी, माओवादी गतिविधि यह दहशत पर आधारित है। सत्ता बंदूक की नोक पर प्राप्त की जा सकती है यह माओवादियों का तत्व पर आधारित विचार है। वह उनकी नीति है। अपनी इस कार्य नीति पर अवलंबित आदिवासी नागरिकों में दहशत निर्माण कर रहे हैं। अपना भारतीय संविधान यह स्वतंत्र, समता, बंधुत्व इन तत्वों पर आधारित है। किंतु नक्सलवादी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए भारतीय संविधान को मान्य नहीं करते। भारतीय संविधान के आधार पर ही स्थानीय आदिवासी जनता ग्राम सभा प्रशासन के माध्यम से मुख्य प्रभाव में लाने के लिए वह उनके विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। ग्राम सभा से नक्सलवादी जबरदस्ती फिरौती वसूल करते हैं। गत ३० वर्षों में

नक्सलवादियों ने ५००० से अधिक आदिवासियों की जघन्य हत्या की है। नक्सलवादी मंगेझरी, गुरमुरी, जामुलखेड़ा ऐसे विभिन्न स्थानों पर लगाई गई भूमिगत विस्फोटक से पुलिस जवान शहीद हुए हैं। तब कहां गया वह मानव अधिकार।

नक्सलवादियों की दहशतगर्दी से गत ३० वर्षों से सी-६० के जवानों द्वारा आदिवासी जनता का संरक्षण किया जा रहा है। नक्सलवादी सी-६० जवानों द्वारा की गई कार्रवाई से दहशत में आ गए हैं, जिससे उनकी मनस्थिति बिगड़ चुकी है। जिसके चलते वे सी-६० जवानों के खिलाफ अत्याचार कर तथ्यहीन पत्र प्रकाशित कर रहे हैं। लोकतंत्र में प्रसार माध्यम स्वतंत्र हैं किंतु माओवादी यंत्रणा में प्रसार माध्यम का स्थान नहीं है। नक्सलवादियों के प्रचार करने वाले पत्र की दखल ना लेते हुए गत ३ वर्षों में पुलिस विभाग द्वारा ३००० आदिवासी युवकों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है। जिसके लिए पुलिस विभाग के सी-६० कमांडो का अभिनंदन किया जाए, ऐसा आवाहन विशेष पुलिस महानिरीक्षक नागपुर द्वारा किया गया है।

मांगगारुडी समाज की महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित

गोंदिया - महिला दिवस के अवसर पर गोंदिया की दि महिला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक द्वारा मांगगारुडी समाज की महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित की गई। विशेष यह है कि मांगगारुडी समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर वह स्वावलंबी बनाने के लिए महिला बैंक के अध्यक्ष माधुरी नासरे की पहल पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए मार्गदर्शन भी किया। इस अवसर पर डॉ.छाया लंजे, शारदा सोनकनवरे, वर्षा भांडारकर, निनावे, राज जाभुंडकर व गाडे उपस्थित थे। कार्यक्रम की प्रस्तावना सविता वेदर ने तथा आभार दिव्या भगत ने माना।

जिला स्तरीय शतरंज चौपियनशिप २१ मार्च से

गोंदिया - आधार महिला शक्ति संगठन व गोंदिया जिला शतरंज एसोसिएशन के संयुक्त तत्वधान में रविवार २१ मार्च से जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन महिला मंडल सभागृह हनुमान चौक सिविल लाइन में किया जाएगा। प्रतियोगिता तीन विभागों में आयोजित होगी। जिसमें प्रथम विभाग कक्षा पहली से पांचवी तक के छात्रों के लिए, इसमें प्रथम पुरस्कार ३५१ रुपए, द्वितीय पुरस्कार २५१, तृतीय पुरस्कार १५१ व अन्य प्रोत्साहन पुरस्कार रहेंगे। जिसका प्रवेश शुल्क ९० रुपए रखा गया है। द्वितीय विभाग में कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के छात्रों के लिए जिसमें प्रथम पुरस्कार ४०० रुपये, द्वितीय पुरस्कार ३००, तृतीय पुरस्कार २०० व अन्य प्रोत्साहन पुरस्कार, प्रवेश शुल्क ९० रुपय । उसी प्रकार तृतीय विभाग लड़कियों के लिए निशुल्क प्रवेश के साथ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रथम पुरस्कार ३०० रुपये, द्वितीय पुरस्कार २०० व तृतीय पुरस्कार १०० रुपये तथा अन्य प्रोत्साहन पुरस्कार के साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा। प्रवेश हेतु अधिक जानकारी के लिए मुकेश बाराई उत्सव कलेक्शन स्टेडियम, प्रभाकरराव पालंदुरकर, शिखा पिपलेवार, शुभम जैस्वार, कपिल वाधवानी, सुधांशु गायधने, आधार महिला शक्ति संगठन की लता बाजपाई, भावना कदम, सीमा डोये, दीपा काशिवार, माया राघोते, उमा महाजन, मिना डुमरे, नंदा राऊत व अन्य सदस्यों से संपर्क किया जा सकता है।

आयोजन समिति में दीपक पटेल, प्रशांत कटरा, डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ.नितिन कोतवाल, दिलीप जैन, राजेंद्र रामानी, शिशिर अग्रवाल, डॉ. गौरव अग्रवाल, डॉ.कोमल अग्रवाल, डॉ. अमित जयसवाल, आर. डी. राजपूत, किशोर उपाध्याय, संतोष शर्मा का समावेश है। इस प्रकार की जानकारी गोंदिया जिला शतरंज एसोसिएशन के सचिव मुकेश बाराई द्वारा दी गई है।

ग्रीष्म काल में जल संकट से नागरिकों को निजात - पार्षद मिश्रा

ग्रीष्म काल में वार्ड के नागरिकों को होने वाले जल संकट की समस्या को देखते हुए समय पूर्व ही विभिन्न जल स्त्रोतों का सुधार कार्य कर होने वाली समस्या को काफी हद तक कम करने का प्रयास किया गया। इस प्रकार की जानकारी नगर परिषद पार्षद निर्मला मिश्रा द्वारा दी गई। साथ ही उन्होंने बताया कि इसके लिए मालवीय स्कूल स्थित पानी की टंकी की साफसफाई, श्रीनगर जेतवन बुद्ध विहार पंप हाऊस की साफसफाई, बंद हो चुके हैंडपंपों की दुरुस्ती तथा पंपहाउस की मोटर खराब होने पर उनमें सबमर्सिबल पंप लगवाया गया है। जिससे आगामी ग्रीष्म काल में परिसर के नागरिकों को जल संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही उन्होंने आवाहन किया है कि जल ही जीवन है जिसे व्यर्थ ना बहाएं।

साइकल सवार सुरक्षा अभियान १०० साइकलों को लगाया रिफ्लेक्टर

गोंदिया – साइकिल सुरक्षा अभियान के अंतर्गत १६ मार्च मंगलवार को फुलचूर नाका हौंडा शोरूम के सामने १०० साइकलों को रेडियम रिफ्लेक्टर लगाया गया। उपरोक्त अभियान का उद्देश्य यह है कि महामार्गों से गोंदिया की ओर आने वाले साइकिल सवारों की सुरक्षा व रात में सुरक्षित घर वापसी तथा किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो इस उद्देश्य को लेकर कॉलेज के प्राचार्य अंजन नायडू के मार्गदर्शन में धोटेबंधु साइंस विद्यालय के इको क्लब यूनिट एवं हिरवल बहुउद्देशीय संस्था के माध्यम से चलाया गया। उपरोक्त अभियान के लिए डॉ.प्रो. के. पी. घोषाल ने विद्यार्थियों को सहयोग दिया।

मालगाड़ी पटरी से उतरी

मुंबई-हावड़ा रेलवे लाइन पर काचेवानी के समीप हुआ हादसा

गोंदिया – मुंबई-हावड़ा रेलवे लाईन पर काचेवानी के समीप मंगलवार की रात लूप लाइन पर मालगाड़ी पटरी से उतर गई। हालांकि इस घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अदानी पावर प्लांट में कोयला भरकर जा रही मालगाड़ी लूप लाइन पर शंटिंग के दौरान अचानक पटरी से उतर गई। इस दुर्घटना में मुंबई-हावड़ा मेन लाईन पर किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ।

फांसी लगाकर आत्महत्या

अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कोरंबी निवासी पांडुरंग जगन करपते (४०) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार १५ मार्च की रात मृतक द्वारा अपने आवास योजना के निर्माणाधीन मकान में एक बड़ी लकड़ी को खड़ा कर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जिसका शव १६ मार्च की सुबह परिवार वालों को दिखाई दिया। उपरोक्त मामले की जानकारी अर्जुनी मोरगांव पुलिस को दी गई। पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर आगे की जांच प्रभारी पुलिस निरीक्षक प्रशांत भूते के मार्गदर्शन में अमलदार प्रशांत बोरकर द्वारा की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल पाया।

शराब दुकानें व बीयर बार रात ८ बजे तक रहेंगे शुरु

गोंदिया - महाराष्ट्र के साथ ही जिले में भी कोरोना का संक्रमण बढ़ रहा है। जिसके चलते १६ मार्च को जिलाधिकारी द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार शराब दुकानों के खुलने व बंद होने के समय में परिवर्तन किया गया है। बाजार में ग्राहकों की भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश से उपरोक्त आदेश के अनुसार चिल्लर देसी शराब दुकान सुबह ८ से रात के ८ बजे तक, विदेशी शराब दुकान सुबह ११.३० से रात ८ व बियर बार व शॉप सुबह १० से रात ८ बजे तक ही शुरु रहेंगे। जिसमें गोंदिया जिले के लाइसेंस धारक उपरोक्त दिशा निर्देश अनुसार ही शराब की बिक्री करेंगे तथा उपरोक्त नियमों का कड़ाई से पालन हो इसके लिए राज्य उत्पादन शुल्क अधीक्षक द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाए साथ ही इन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे में चेन पुलिंग रोकने के लिए गोंदिया आरपीएफ ने की जनजागृति

गोंदिया - रेलगाड़ियों में होने वाली चौन पुलिंग की रोकथाम के लिए गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल द्वारा जनजागृति अभियान चलाया जा रहा है। मंडल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे पंकज चूघ तथा सहायक सुरक्षा आयुक्त एस. डी. देशपांडे के दिशा निर्देशानुसार चेन पुलिंग की रोकथाम के लिए जनजागृति कर जागरुकता अभियान गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी नंद बहादुर के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक मंदा भिवगड़े, आरक्षक जी. पी. पारधी, जी. पी. भंडारकर, कमल राय, महिला आरक्षक वी. सपना द्वारा गोंदिया रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने वाली रेलगाड़ियों के यात्रियों को साउंड सिस्टम के माध्यम से चेन पुलिंग की रोकथाम हेतु जनजागृति की तथा गाड़ी के स्टेशन पर पहुंचने के पूर्व डिस्प्ले के माध्यम से कोच की स्थिति स्पष्ट करने प्लेटफार्म में खड़े होने के उपरांत गाड़ी से यात्रियों को उतरने व चढ़ने हेतु जागरुकता करने के साथ-साथ गाड़ी के प्लेटफार्म से रवाना होने के दौरान सेक्शन में अनाधिकृत रुप से चैन पुलिंग करने वाले यात्रियों पर रेल अधिनियम की धारा १४१ के तहत दंडात्मक कार्रवाई होने की जानकारी दी।

संक्षिप्त समाचार

निलंबित वाहन से परिवहन मामला दर्ज

गोंदिया जिले में गौण खनिज का अवैध परिवहन करने वाले वाहनों को शासन के आदेश अनुसार निलंबित किया गया है। लेकिन उसके बावजूद वाहन क्रमांक एमएच ४० बीजी ६५९७ द्वारा नियमों का उल्लंघन कर परिवहन किया जा रहा था। इस मामले में जिलाधिकारी की सूचना अपर तहसीलदार गोंदिया को दी गई। जिसके पश्चात पथक द्वारा रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले क्षेत्र कुडवा रिंग रोड, बिसेन पेट्रोल पंप के समीप उपरोक्त वाहन की जांच की गई तो वाहन के नंबर प्लेट पर काले रंग का ग्रीस लगाकर नंबर ना दिखे इस प्रकार की जालसाजी वाहन मालिक द्वारा की गई थी। जब उसकी जांच की गई तो १३ जनवरी के आदेश के अनुसार उपरोक्त वाहन को ९० दिनों के लिए परिवहन विभाग द्वारा लाइसेंस रद्द किया गया था। उपरोक्त मामले में अपर तहसीलदार गोंदिया की शिकायत पर रामनगर पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता १८६० की धारा ४२०, १८८, ३४ के तहत वाहन मालक मनोहरभाई वार्ड गोंदिया निवासी इफ्तेखार जब्बार गनी व वाहन चालक नीलागोंदी निवासी वीरेंद्र कालरपे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। इस प्रकार की जानकारी अपर तहसीलदार द्वारा दी गई।

दुपहिया दुर्घटनाग्रस्त युवक की मौत

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम चांदसूरज मार्ग पर १३ मार्च की सुबह १० से ११ बजे के दौरान ग्राम अमेंडा जिला बालाघाट निवासी नरेंद्र चंदनलाल राऊत (२८) यह अपने दुपहिया वाहन क्रमांक सीजी ०४ केपी ०२०३ पर रायपुर से बालाघाट की ओर जा रहा था। इसी दौरान चांदसूरज के समीप मार्ग के मोड़ पर दुपहिया का संतुलन बिगड़ जाने से मार्ग के बाजू के गड्ढे में जाकर गिर गया। इस दुर्घटना में उसके मुंह, सिर व हाथ पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। इस मामले में अमेंडा जिला बालाघाट निवासी फरियादी मनोहर गुदलाल राऊत की शिकायत पर सालेकसा पुलिस थाने में भादवी की धारा २७९, ३३७, ३३८, ३०४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच को पोहवा यशवंत सहारे द्वारा की जा रही है

ग्रामसेवक से मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम नवरगांव कला मे शासकीय कर्मचारी ग्रामसेवक फरियादी लोकनाथ झेलिकराम चौधरी जब अपने सहयोगी कर्मचारी के साथ आरोपी के पास ग्राम पंचायत का टैक्स लेने गए तो आरोपी द्वारा ५०० रुपये टैक्स दिया। लेकिन जब कर्मचारी द्वारा पूरे टैक्स की मांग की गई तो आरोपी ने ५०० रुपये वापस लेकर फरियादी के साथ गाली गलौज कर मारपीट की तथा फरियादी दिव्यांग है ऐसा बोल कर शासकीय काम में बाधा निर्माण कर जान से मारने की धमकी दी। फरियादी की शिकायत पर गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में भादवि की धारा ३५३, १८९ सहायक धारा ९२ अपंगत्व अधिनियम २०१६ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक सडमेक गोंदिया ग्रामीण द्वारा की जा रही है।

जान से मारने का प्रयास

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले गौतम नगर निवासी फरियादी अभिमन्यु हेमराज चव्रे पर आरोपी क्रमांक १ से ४ द्वारा पुराने विवाद को लेकर लोहे की सलाख से सिर पर वार कर जान से मारने का प्रयास किया। उपरोक्त मामले में फरियादी की मौखिक शिकायत व चिकित्सा अहवाल के आधार पर भादवि की धारा ३०७, ३४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सपोनि भुजबल गोंदिया शहर द्वारा की जा रही है।

मारपीट कर किया जख्मी

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम खमारी के गोसाई चौक में फरियादी वह आरोपी एक दूसरे के मित्र हैं। घटना के दिन फरियादी पान ठेले से पॉपकॉर्न लेकर घर जा रहा था। इस दौरान आरोपी क्रमांक १ द्वारा उसकी जाति का उल्लेख कर कहा कि उसके जाति के लोग मेरे लिए काम नहीं करते, मेरे मोहल्ले के लोग ही मेरा काम करते हैं। जिस पर आरोपी क्रमांक १ व २ फरियादी के पास जाकर कहा कि तूने हमें ऐसा क्यों कहा तथा फरियादी के साथ गाली गलौज कर मारपीट करते हुए हाथ पर ब्लेड से वार कर जख्मी कर दिया। फरियादी शुभम बसंत उईके की मौखिक शिकायत व चिकित्सा अहवाल के आधार पर गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा ३२४, ५०४, ५०६, ३४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा गोस्वामी गोंदिया ग्रामीण द्वारा की जा रही है।

भूमि अभिलेख कर्मचारी के साथ मारपीट

गोरेगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले म्हसगांव खेत परिसर में फरियादी शासकीय कर्मचारी मो.र. क्र. ३०१ मौजा म्हसगांव के भूमापन क्रमांक ९८, ९९ का मोजमाप कर लिखाई का कार्य कर रहा था। इसी दौरान आरोपी द्वारा मेरी जगह का नापजोक क्यों किया, कहकर गाली गलौज कर मारपीट कर आगे देख लेने की धमकी दी तथा शासकीय कार्य में बाधा निर्माण किया। उपरोक्त मामले में फरियादी प्रतिलिपिक उपअधीक्षक भूमि अभिलेख कार्यालय गोरेगांव नरेंद्र शिवलाल पारधी की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा ३५३, ३३२, ५०४, ५०६ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा रुपचंद गाते द्वारा की जा रही है।

मारपीट कर वाहन की तोड़फोड़

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले गौतम नगर निवासी फरियादी ने शास्त्री वार्ड निवासी आरोपी से २ माह पूर्व २००० रुपये उधार लिए थे, लेकिन पैसे नहीं आने पर उधारी वापस नहीं की जा सकी। इस पर आरोपी द्वारा फरियादी को पैसे आज तक क्यों नहीं दिए इस बात को लेकर विवाद करते हुए फरियादी पर लकड़ी से सिर पर वार कर जख्मी करने के साथ ही फरियादी की दुपहिया वाहन की तोड़फोड़ कर २०००० का नुकसान किया। उपरोक्त मामले में फरियादी नवाज रशीद शेख की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ गोंदिया शहर पुलिस थाने में भादवि की धारा ३२४, ४२७, ५०४, ५०६ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा अनिल पारधी द्वारा की जा रही है।

कुत्तों के हमले में जख्मी हिरण को वन्यप्रेमियों ने बचाया

उपचार के दौरान मौत

देवेंद्र सेलोकर – देवरी वन परीक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सेंडेपार मार्ग पर केशोरी तलाव के समीप मंगलवार १६ मार्च की सुबह ७.३० बजे के दौरान पानी पीने आए हिरण पर कुत्तों ने हमला कर जख्मी कर दिया। जिसे वन्य प्रेनियों द्वारा बचाकर वन विभाग के सुपुर्द किया। लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

उल्लेखनीय है कि देवरी तहसील नैसर्गिक वन क्षेत्र से परिपूर्ण होने के चलते आए दिन वन्य जीव भ्रमण करते हुए दिखाई देते हैं। ग्रीष्मकाल शुरु होते ही वनों में पानी की किल्लत होने से पानी की तलाश में वन्य जीव ग्रामों की ओर अग्रसर होते हैं। इस अवसर का लाभ उठा कर कुत्ते व शिकारी उनका शिकार कर लेते हैं। इसी प्रकार की घटना आज जब कुछ युवक परिसर में क्रिकेट खेल रहे थे तो उन्हें तालाब के समीप एक हिरण (बारहसिंगा) पर कुत्तों के दल ने हमला कर दिया था। जिन्हें वन्य प्रेमी युवकों द्वारा बचाकर इसकी जानकारी देवरी वन विभाग को दी। जिसके पश्चात जख्मी हिरण का उपचार देवरी के पशु संवर्धन वैद्यकीय अधिकारी द्वारा शुरु किया गया। लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस प्रकार की जानकारी वन परीक्षेत्र अधिकारी महेश चोपड़े द्वारा दी गई। उपरोक्त घटना में हिरण को बचाने वाले वन्य जीव प्रेमी युवक राहुल मोहुरले, जफर कुरेशी, लक्ष्मण झिंगरे, प्रशांत भेलावे, भूषण गायधने, मुन्ना लामकासे, सोनू साहू आदि का समावेश था।

वन्यजीव प्रेमी युवकों द्वारा किये गये उनके इस कार्य पर परिसर के नागरिकों द्वारा काफी प्रशंसा की जा रही है। वन विभाग ने आवाहन किया है कि ग्रीष्मकाल में होने वाली ऐसी घटनाओं की जानकारी नागरिक विभाग को जानकारी दें।

विजय शिवनकर की गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस अध्यक्ष पद पर नियुक्ति

गोंदिया – राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद प्रफुल पटेल की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने विजय शिवनकर की गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पद पर नियुक्ति की। उपरोक्त पद जिला अध्यक्ष पंचम बिसेन की आकस्मिक मृत्यु हो जाने पर रिक्त था। शिवनकर इसके पूर्व जिला परिषद के अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी के रुप में कार्य किया है, जिससे उन्हें सामान्य कार्यकर्ता व संगठन का काफी अनुभव है। जिससे पार्टी को मजबूती मिलेगी, इस आशा पर उनकी नियुक्ति की गयी। उनकी इस नियुक्ति पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, नरेश महेश्वरी, गंगाधर परशुरामक, देवेंद्रनाथ चौबे तथा जिले के सभी पक्ष पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन कर शुभकामनाएं दी।

देश को सकारात्मक विकास की ओर ले जाने का कार्य नरेंद्र मोदी सरकार ने किया - गोपालदास अग्रवाल

गोंदिया - गोंदिया तहसील भाजपा ग्रामीण मंडल की सभा का आयोजन पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि गत ७ वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार ने क्रांतिकारी कार्य देश में कर दिखाए हैं, जो पिछले ७० वर्षों में नहीं हो सके थे। इसमें राम मंदिर बाबरी मस्जिद विवाद का सकारात्मक हल कर दोनों समुदाय के बीच आपसी भाईचारे को बढ़ाने का कार्य किया। किसानों को ६००० रुपए की वार्षिक मदद, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हजारों आवासों को मंजूरी तथा हर नागरिक को २०२२ तक पक्का मकान देने के वादे को मोदी सरकार ने निभाया है। कोरोना काल में हर गरीबों को मुफ्त राशन, रसोई गैस तथा बचत गट की हर महिला के खाते में ५०० रुपये नगद की मदद के साथ ही अब निशुल्क कोरोना वैक्सीन सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई गई है। जिससे देश के बुनियादी ढांचे को भी नई मजबूती मिल रही है। गोंदिया जिले के राष्ट्रीय महामार्ग का कार्य प्रगति पर चल रहा है। इस प्रकार के विचार पूर्व विधायक ने व्यक्त किए।

इस अवसर पर सांसद सुनील मेंढे ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बेईमान व भ्रष्ट पार्टी है। दोनों जिलों में किसानों की परंपरागत धान खरीदी संस्थाओं को हटाकर राकांपा नेताओं ने धान खरीदी केंद्र खोल लिए हैं। इन केंद्रों पर किसान टोकन लिए घूम रहे हैं। जहां केवल व्यापारियों का धान लिया जा रहा है। राका नेता दो हजार करोड रुपए बोनस किसानों में बांटने की बात करते हैं। उन्हें मालूम है कि १९०० करोड रुपए का बोनस अकेले राका नेताओं के पास जा रहा है। राका नेता गोंदिया जबलपुर ब्रॉडगेज को ३० से ३५ वर्षों में पूरा नहीं कर सके, वही नरेंद्र मोदी की सरकार ने ७ सालों के कार्यकाल में ब्रॉडगेज का काम पूरा कर दिया है और ट्रेन भी चला दी। हमारे नेता नरेंद्र मोदी है, उनके लोकहित कार्यप्रणाली को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं।

पूर्व जिप अध्यक्ष नेतराम कटरे ने कहा कि उद्धव ठाकरे की सरकार केवल घोषणा सरकार है। अब तक किसानों को किसी भी प्रकार की मदद नहीं की है। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष हेमंत पटले ने कहा कि राज्य सरकार केवल राज्य के ही नागरिकों को किसी ना किसी तरह लूटने में लगी हुई है। बाघ सिंचाई प्रकल्प की पानीपट्टी की दर पिछले १ वर्ष में ५ गुना बढ़ा दी गई है।

उपरोक्त कार्यक्रम में हेमंत पटेल, संगठन मंत्री बाला अंजनकर, बाबूलाल रंहागडाले, नेतराम कटरे, सुनील केलनका, नंदू बिसेन, अशोक चौधरी, नरेंद्र तुरकर, राजेश चतुर, मनोज मेंढे, भावना कदम, छाया दसरे, प्रकाश रहमतकर, वंदना चुटे, संजय कुलकर्णी, ओम कटरे सहित भाजपा ग्रामीण के कार्यकर्ता व पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आधुनिक खेती का प्रयोग करें - विधायक चंद्रीकापुरे

मोहाड़ी में धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ

गोरेगांव - पारंपारिक फसल के साथ आधुनिक खेती कर फसलों का उत्पादन किसानों ने लेकर आर्थिक समृद्धि की ओर बढना चाहिए। उक्ताशय के विचार अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोहर चंद्रीकापुरे ने व्यक्त किए। वे १४ मार्च को गोरेगांव तहसील के मोहाड़ी ग्राम में सरकारी समर्थन मूल्य धान खरीदी केंद्र के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। धान खरीदी केंद्र का उद्घाटन झामसिंह बघेले की अध्यक्षता में विधायक चंद्रीकापुरे के हस्ते किया गया। विकास अभिनव सहकारी संस्था मर्या. मोहाड़ी का सरकारी धान खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विधायक चंद्रीकापुरे ने किसानों को संबोधित किया कि सरकारी धान खरीदी केंद्र किसानों की सुविधा को देखते हुए शुरु किया गया है। किसानों ने पारंपारिक खेती के साथ आधुनिक खेती का भी उपयोग कर फसलों का उत्पादन लें। जैसे कि मक्का, गन्ना, फलोत्पादन जैसे फसलों का समावेश करें। महाराष्ट्र रोजगार गारंटी योजना के तहत ग्राम पंचायतों ने विकास का प्रारुप तैयार कर मनरेगा योजना का लाभ लेना चाहिए। किसानों की समस्या समय-समय पर शासन को अवगत कराकर समस्या हल करने का निरंतर कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष झामसिंह बघेले ने कहा कि मनरेगा योजना समिति में विधायक अध्यक्ष होने से जिले के लिए हीं नहीं बल्कि संपूर्ण महाराष्ट्र के लिए गौरव की बात है। उनका अनुभव राज्य के लिए सही फायदेमंद साबित होगा। क्योंकि वे विधायक होने के पूर्व कृषि अधीक्षक के पद पर राज्य के विभिन्न जिलों में कार्य कर चुके हैं।

कार्यक्रम का संचालन विकास अभिनव सहकारी संस्था के अध्यक्ष यू.टी. बिसेन ने तथा आभार एन.के. बिसेन ने माना। इस अवसर पर राकांपा अध्यक्ष केवलराम बघेले, सरपंच रजनी धपाड़े, सरपंच सामेश्वर रहांगडाले, डॉ. पी. पी. येड़े, दुलिवंद बघेले, योगराज भोयर, मदनलाल बघेले, धनेश्वर तिरेले, भाऊलाल चव्हाण, सुनील कापसे, अरविंद धपाड़े, एस.एस. तुरकर आदि उपस्थित थे।

रेती चोरी

देवरी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले वीचगढ़ मार्ग पर देवरी निवासी आरोपी द्वारा अपने वाहन क्रमांक एमएच ४० बीएल ८३८३ में ११ ब्रास रेती प्रति ब्रास ३४०० रुपए के अनुसार ११ ब्रास रेती की कीमत ३७४०० बिना मंजूरी के ले जा रहा था। उपरोक्त मामले में फरियादी देवरी पटवारी पुरुषोत्तम रतिराम गज्बे की शिकायत पर अवैध परिवहन की जा रही रेती तथा ट्रक अंदाजन कीमत १५ लाख रुपए देवरी पुलिस द्वारा जप्त कर आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा ३७९, ३४ के तहत मामला दर्ज कर जांच पोना कुरंजेकर कर रहे है।

आदिवासी दुर्गम क्षेत्रों के विकास कार्यों को देंगे गति - सांसद प्रफुल पटेल

धनेगांव-दरेकसा में पक्ष कार्यकर्ता व नागरिक संवाद में दिया आश्वासन

रवि सोनवाने दरेकसा – गोंदिया जिले के सालेकसा तहसील के अंतर्गत आने वाले आदिवासी दुर्गम क्षेत्र धनेगाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल पटेल द्वारा पक्ष के कार्यकर्ताओं व नागरिकों से संवाद कार्यक्रम के दौरान आश्वासन दिया कि इस क्षेत्र के विकास कार्यों को गति प्रदान की जाएगी।

आगे उन्होंने कहा कि जब वे इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे तो जनता ने उन्हें काफी प्रेम दिया। उसी समय क्षेत्र के विकास के कार्यों का कार्य शुरु किया गया। ९० के दशक में शरद पवार ने उनके माध्यम से क्षेत्र को भेंट दी थी, उस दौरान अनेक विकास कार्यों को शुरु किया गया था। लेकिन बीच के कुछ समय में विकास के कार्य थम गए, जिसे वे मानते हैं। लेकिन अब आगामी समय में दुर्गम क्षेत्र के विकास के लिए निश्चित रुप से गति दी जाएगी। ९० के दशक में स्थानीय नागरिक व युवकों को रोजगार उपलब्ध हो इसके लिए उनके पक्ष की सरकार ने विशेष कार्यक्रम चलाए गए थे। जिसके माध्यम से पुलिस प्रशिक्षण, स्वास्थ्य सुविधा, विभिन्न विभागों में चतुर्थ श्रेणी के रुप में प्रधानता देकर शासकीय नौकरी में लिया गया। आदिवासी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हो इसके लिए राज्य सरकार के बजट में उत्पन्न की ९ प्रश निधि बजट में सुरक्षित की गई है, जो आज भी कायम है। बेवारटोला प्रकल्प का कार्य प्रगति पर आए इसके लिए सिंचाई मंत्री जयंत पाटिल द्वारा तहसील के कार्यों की समीक्षा की गई। इसके अलावा आदिवासी बहुल दुर्गम क्षेत्रों के विकास को गति प्रदान की जाएगी, ऐसा आश्वासन सांसद पटेल द्वारा दिया गया।

धनेगांव में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, पूर्व सांसद खुशाल बोपचे, नरेश माहेश्वरी, विजय शिवणकर, दुर्गा तिराले, गोपाल तिराले, प्रभाकर दोनोंडे, कैलाश धामडे, विशराम आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

क्या आप परेशान हैं?

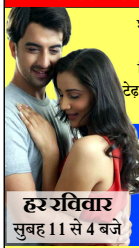

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, पाल चौक, गोंदिया

हर रविवार सुबह 11 से 4 बजे

संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

आवश्यकता है

गोशाला में गो-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।